अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2025) दिनांक : 17.12.2025

समय सीमा : 3 घंटा तृतीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

तेरापंथ का इतिहास–70

प्र. 1 किन्हीं ग्यारह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए – 11

आचार्य श्री मघवागणी (किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें)–

(क) गोगुंदा में मघवागणी ने किन तीन व्यक्तियों को दीक्षा प्रदान की?

(ख) मंडलिया व कल्याणक किसे कहा जाता है?

(ग) गुलाब सती के किन गुणों की महिमा सर्वविदित होने लगी थी?

(घ) शोभाचंद जी की किस बात को सुनकर मघवागणी ने सं. 1944 का चातुर्मास बीदासर में करने का निर्णय लिया?

(ड़) 'कोई किसी की भी हिंसा क्यों न करे, उसका दोष तो उसे लगेगा ही' ये शब्द किसने किससे कहे?

(च) मघवागणी ने अपने शासनकाल में कितने स्थानों पर कितने मर्यादा-महोत्सव किये?

आचार्य श्री माणक लालजी (किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें)–

(छ) 'यदि माणक दीक्षा ग्रहण करें तो दीपता साधु हो' ये शब्द किसने किससे कहे?

(ज) मुनि माणक के किन गुणों ने जयाचार्य का ध्यान आकृष्ट किया?

(झ) युवाचार्य की नियुक्ति के बाद एक अवश्य करणीय प्रक्रिया अवशिष्ट रह जाती है–वह प्रक्रिया क्या है?

(ञ) अस्थाई व्यवस्था के समय कितने संत थे तथा उस समय किन संतों ने कार्यभार संभाला?

आचार्य श्री डालचंदजी (किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें)–

(ट) डालगणी की माताजी जड़ावाजी ने कहां व किसके पास दीक्षा ग्रहण की?

(ठ) डालगणी काफी लंबा विहार करके आबू पधारे। यह विहार कितने किलोमीटर का था?

(ड) 'लगता है अब आचार्य पद का भार आप पर ही आयेगा' ये शब्द किसने किससे व कहां कहे?

(ढ) डालगणी ने साध्वी जेठांजी को कहां व कब साध्वीप्रमुखा पद पर नियुक्त किया?

(ण) प्रतापमलजी चोपड़ा को 'टालोकर' श्रावक मानकर श्रावक संघ से पृथक किसने किया?

आचार्य श्री मघवागणी–21

प्र. 2 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 5

(क) चाचा पेमराजजी को सुनाने के लक्ष्य से जुलुस में चल रहे व्यक्ति ने ऐसा क्या कहा जिससे पेमराजजी के मन पर सीधा आघात लगा?

(ख) कार्यसंविभाग की व्यवस्था के लिए जयाचार्य ने एक नया प्रयोग करते हुए मुनि मघवा से क्या कहा?

(ग) रतनगढ़ में चातुर्मास न होने पर वहां के लोगों की खिन्नता को मिटाने के लिए मघवागणी ने क्या कहा?

प्र. 3 कोई एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) बालक मघवा ने दीक्षा के मार्ग में आने वाली अनेक बाधाओं को पार करके अंत में सफलता किस प्रकार प्राप्त की?

(ख) 'महापुरुष विपद बेला में भी इतने सावधान होते हैं कि दौड़ते क्षणों की चोटी को पकड़ कर उन्हें अपने अभिष्ट कार्य में प्रयुक्त करते हैं' मघवागणी पर यह पंक्ति किस प्रकार चरितार्थ होती है? लिखें।

प्र. 4 सुपुत्रवान हो गए और'लशुन की करामात' घटना प्रसंगों को व्याख्यायित करें। 10

अथवा

मघवागणी की मारवाड़-मेवाड़ यात्रा का वर्णन करें।

आचार्य माणकलालजी–15

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 5

(क) जयाचार्य ने बालक माणक की दीक्षा भावना को देखकर उन्हें मार्गदर्शन देते हुए क्या कहा?

(ख) दीक्षाविषयक स्वीकृति देते हुए लालाजी ने जयाचार्य से क्या कहा?

(ग) हिसार का रहने वाला विद्वान श्रावक कौन था तथा उसकी विशेषताएं क्या थी?

प्र. 6 नियुक्ति पत्र लिखने के पश्चात् मघवागणी ने भावी उत्तराधिकारी के रूप में कौन-कौन से स्पष्ट संकेत दिये। तत्पश्चात प्रकट नियुक्ति किस प्रकार हुई? 10

अथवा

मुनि मगनलालजी ने भावी व्यवस्था करने के लिए माणकगणी को क्या सुझाव दिया तथा उनकी बात सुनकर माणकगणी ने कोई उत्तर क्यों नहीं दिया? सम्पूर्ण घटनाक्रम लिखें।

आचार्य श्री डालगणी जी–23

प्र. 7 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 5

(क) मुनि बीजपालजी को चर्चा हेतु तैयार करने के लिए डालमुनि ने वीरचंद भाई से क्या कहा?

(ख) 'खमाघणी परम पूज्य परमेश्वर' भंडारीजी द्वारा ऐसा कहने पर डालगणी ने उनसे क्या कहा?

(ग) 'आपको तो आचार्यश्री ने भावी आचार्य का संकेत अवश्य दिया होगा' ठाकुर आनन्द सिंह ने अपने दायित्व की सुरक्षा करते हुए क्या प्रत्युत्तर दिया?

प्र. 8 कोई एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) मुनि नथराजजी को अपने द्वारा फैलाई गई अफवाह के कारण सबके सामने निरूत्तर और लज्जित क्यों होना पड़ा? व्याख्यायित करें।

(ख) सिद्ध करें कि डालगणी अपनी बात की सदृढ़ पकड़ वाले आचार्य थे।

प्र. 9 कोई एक प्रश्न का उत्तर दें– 12

डालगणी द्वारा भावी-व्यवस्था अन्तिम शिक्षा और उचित सम्मान दिया गया। उनका उल्लेख करें।

अथवा

अन्तरिम काल की व्यवस्थाओं को बताते हुए डालमुनि को मिले शुभ संकेतों का वर्णन करें।

तुलसी प्रबोध–21

प्र. 10 किन्हीं दो पद्यों को भावार्थ सहित लिखें– 14

(क) 'नामकरण' वाला पद्य।

(ख) 'धवल समारोह' वाला पद्य।

(ग) 'निकाय व्यवस्था' वाला पद्य।

(घ) 'अक्षय तृतीया' वाला पद्य।

प्र. 11 कोई दो पद्यों की पूर्ति करें– 7

(क) बेटा! अन्दाता.....तारणहार हो।

(ख) चल्यो दौर.....विहार हो।

(ग) आण बाण.....पुचकार हो।

(घ) दो सौ ऊपर.....मिलार हो।

तेरापंथ प्रबोध–9

प्र. 12 कोई तीन पद्यों की पूर्ति करें– 9

(क) बतीसै मिंगसर.....गीत सुप्यार हो।

(ख) तिण हिण.....वासर है।

(ग) 'जाग्रत धर्म हमारा, जीवित धर्म हमारा' गीत वाला पद्य।

(घ) 'बदले युग ही धारा' गीत वाला पद्य।